



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 76 राँची, मंगलवार 6 फाल्गुन 1935 (श०)
25 फरवरी, 2014 (ई०)

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग ।

अधिसूचना

8 जनवरी, 2014

संख्या-72-- कृषि एवं गन्ना विकास विभाग तिथि-08.01.14 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड के राज्यपाल एतद द्वारा कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के नियंत्रणाधीन राजपत्रित पदों पर भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित झारखण्ड कृषि सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013 बनाते हैं:-

झारखण्ड कृषि सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013

अध्याय-1

प्रारंभिक

1. सन्क्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारंभ :

- i. यह नियमावली 'झारखण्ड कृषि सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013' कहलायेगी।
- ii. इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा ।
- iii. यह नियमावली राजकीय गजट में प्रकाशित होने कि तिथि से प्रवृत्त होगी ।

2. परिभाषाएँ: इस नियमावली में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो

- i. 'राज्यपाल' से अभिप्रेत है झारखण्ड राज्य के राज्यपाल
- ii. 'राज्य सरकार' से अभिप्रेरित है झारखण्ड राज्य सरकार ।
- iii. 'विभाग' से अभिप्रेत है कृषि एवं गन्ना विकास विभाग
- iv. 'आयोग' से अभिप्रेत है झारखण्ड लोक सेवा आयोग
- v. 'सेवा' से अभिप्रेत है झारखण्ड कृषि सेवा
- vi. 'सदस्य' या 'सेवा' के सदस्य से अभिप्रेत है, झारखण्ड कृषि सेवा में नियुक्त व्यक्ति
- vii. 'अनुसूची' से अभिप्रेत है, इस सेवा नियमावली में संलग्न अनुसूची-I
- viii. 'कोटि' से अभिप्रेति है बिहार कृषि सेवा अधिनियम 1982 की कंडिका-2 के अनुरूप अनुसूची-I में उद्धृत विभिन्न कोटि 1 से 9 तक (कोटि-4 एवं 6 को छोड़कर)।
- ix. 'संवर्ग पदाधिकारी' से अभिप्रेत है झारखण्ड कृषि सेवा के सदस्य
- x. 'संवर्गीय पद' से अभिप्रेत है इस नियमावली के नियम द्वारा निहित शक्तियों के रूप में राज्य सरकार के कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा चिन्हित पद।
- xi. 'मूल कोटि' से अभिप्रेत है इस सेवा में प्रवेश हेतु मौलिक कोटि के पद।

3. सेवा की संरचना :-

- 3.1 इस संवर्ग के पदाधिकारी कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में होंगे। इस संवर्ग में विभिन्न कोटियों का पद सोपान अध्याय-5 एवं विभिन्न कोटियों की विवरणी अनुसूची-1 में उल्लेखित है।
- 3.2 इस नियमावली के प्रवृत्त होने की तिथि को नियम-14 में उल्लिखित पदों पर पूर्व से नियुक्ति एवं कार्यरत पदाधिकारी, स्वतः इस सेवा में शामिल समझे जायेंगे।

अध्याय- 2

4. भर्ती का श्रोत:

- 4.1 कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, रांची के पत्रांक- 12199 दिनांक-1 नवम्बर, 2012 के आलोक में इस सेवा की प्रत्येक कोटि में मूल कोटि के स्वीकृत पदों के 75 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएंगे। ऐसी भर्ती आयोग द्वारा लिखित एवं मौखिक प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर की गयी अनुशंसाओं के अनुसार की जाएगी।
- 4.2 झारखण्ड कृषि सेवा के मूल कोटि वर्ग-2 में कुल स्वीकृत पदों के विरुद्ध 25 प्रतिशत पदों को, कृषि अधीनस्थ सेवा (अराजपत्रित) के विभिन्न कोटियों में नियुक्त कर्मियों को अपनी ही कोटि में प्रोन्नति देते हुए भरा जाएगा। यह प्रोन्नति वरीयता सह योग्यता के आधार पर झारखण्ड लोक सेवा आयोग के अनुशंसा के अनुसार की जाएगी।

5. आरक्षण:

मूल कोटि, वर्ग-11, संवर्ग में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति एवं प्रोन्नति (कृषि अधीनस्थ सेवा से) द्वारा नियुक्ति तथा उच्चतर पदों पर प्रोन्नति में 'आरक्षण' झारखण्ड सरकार के आरक्षण अधिनियम/नियमावली तथा उसके तहत निर्गत संकल्पों/अनुदेशों का अनुपालन अनिवार्य होगा।

अध्याय-3**6. सीधी भर्ती हेतु अर्हता :**

- 6.1 आयु सीमा- उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम वही होगी, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जायेगी।
- 6.2 न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता- विभिन्न कोटि के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु अनुसूची-1 में विर्णित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता धारित किया जाना अनिवार्य होगा।

7. रिक्तियों का निर्धारण एवं संसूचन :

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी की स्थिति के आधार पर कुल रिक्तियों की गणना (अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी (अनुसूची-1 एवं 2) का अलग-अलग) करते हुए नियुक्ति हेतु अध्याचना 28/29 फरवरी तक झारखण्ड लोक सेवा आयोग को देगा।

8. आयोग द्वारा अभ्यर्थियों का चयन प्रक्रिया एवं अनुशंसा :

- 8.1 विभाग द्वारा अध्याचित मूल कोटि की रिक्तियों के आधार पर आयोग विज्ञापन प्रकाशित कर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करेगा।
- 8.2 आयोग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम के अनुरूप लिखित एवं साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	समय	अभ्युक्ति
1	प्रथम पत्र - सामान्य ज्ञान 1. सामान्य विज्ञान (सामान्य अंक गणित)-90 अंक 2. भूगोल (विशेषकर भारत एवं झारखण्ड के संदर्भ में, मिटटी, जलवायु, वर्षापात, फसलें वनस्पति आदि सहित)-90 अंक 3. भारतीय इतिहास (विशेषकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं इसमें झारखण्ड की देन)-60 अंक 4. वर्तमान समसामयिक घटनाक्रम (विशेषकर झारखण्ड के संदर्भ में)-60 अंक	300	3 घंटा	सभी अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य
2	द्वितीय पत्र- समूह "क"- कोटि-1 (शैक्षिक), कोटि-3 (कृषि रसायन) कोटि-5 (पौधा संरक्षण), के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। समूह "ख"- कोटि-2 (कृषि अभियंत्रण) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि अभियंत्रण में स्नातक होना अनिवार्य है। समूह "ग"- कोटि-7 (उद्यान) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उद्यान/वानिकी/कृषि विज्ञान में से किसी एक विषय में स्नातक होना अनिवार्य है। समूह "घ"- कोटि-8 (माप तौल एवं विपणन) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान (भौतिकी में प्रतिष्ठा)/कृषि विज्ञान/ अभियंत्रण में से किसी एक विषय में स्नातक होना अनिवार्य है। समूह "ड.- कोटि-9 (सांख्यिकी) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र में से किसी एक विषय में स्नातक होना अनिवार्य है।	300	3 घंटा	प्रत्येक समूह के अभ्यर्थी के लिए उनका कोई एक विषय
3	साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा	100		
	कुल योग	700		

पाठ्यक्रम:-

- (क) लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान का पाठ्यक्रम वही होगा जो आयोग द्वारा संचालित झारखण्ड लोक सेवा आयोग प्रतियोगिता परीक्षा के लिए निर्धारित हो।
- (ख) लिखित परीक्षा में वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम विषयवार आयोग द्वारा संचालित झारखण्ड लोक सेवा आयोग प्रतियोगिता परीक्षा/विश्वविद्यालय/ मान्यता प्राप्त संस्थान के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के अनुरूप होगा।

- 8.3 आयोजित लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का उत्तीर्णक का निर्धारण आयोग द्वारा अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी की रिक्तियों को ध्यान में रख कर नियमानुसार किया जाएगा।
- 8.4 लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों में से संसूचित रिक्तियों का 3 (तीन) गुणा अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा बुलाया जाएगा।
- 8.5 लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोग के गठित कमिटी द्वारा लिया जाएगा। जिसके लिए 100 (एक सौ) अंक निर्धारित होंगे।
- 8.6 मेधा सूची, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों को जोड़कर नियमानुसार (कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प सं0-13026 दिनांक- 27 जनवरी, 2012 के आलोक में) तैयार की जाएगी।
- 8.7 अनुशंसित मेधा सूची विभाग में प्राप्ति की तिथि से एक वर्ष तक वैद्य मानी जाएगी।

9. नियुक्ति :

- 9.1 आयोग की अनुशंसा के आलोक में चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड द्वारा की जाएगी।
- 9.2 आयोग द्वारा अनुशंसित अभ्यर्थियों की नियुक्ति के समय स्वास्थ्य जांच प्रमाण-पत्र जो असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी अथवा उनके अधीन गठित चिकित्सीय बोर्ड द्वारा निर्गत किया गया हो, उपलब्ध कराना होगा।
- 9.3 नियुक्ति के समय आरक्षित वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना होगा।

अध्याय -4**विभागीय परीक्षा, सम्पुष्टि, वरीयता एवं प्रोन्नति****10. परीक्ष्यमान अवधि/ विभागीय परीक्षा/सम्पुष्टि :**

- 10.1 नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष की परीक्ष्यमान अवधि होगी। परीक्ष्यमान अवधि सफलतापूर्वक पूरी करने, बारह माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा विभागीय परीक्षा एवं क्षेत्रीय भाषा की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही सेवा सम्पुष्टि की जाएगी।
- 10.2 विभागीय परीक्षा रूल्स फॉर डिपार्टमेंटल एक्जामिनेशन ऑफ गजेटेड ऑफिसर्स, 1961 के अनुसार केन्द्रीय परीक्षा समिति (राजस्व पर्वद) द्वारा ली जाएगी।

11. वरीयता :

- 11.1 प्रत्येक कोटि के नियुक्ति कर्मियों की आपसी वरीयता का निर्धारण आयोग द्वारा तैयार की गई मेधा सूची के आधार पर किया जायेगा।
- 11.2 झारखण्ड कृषि सेवा के मूल कोटि वर्ग-2 पर प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति पदाधिकारियों की वरीयता का निर्धारण उनकी पूर्व की पारस्परिक वरीयता-सह-योग्यता के अनुसार आयोग द्वारा प्रकाशित मेधाक्रम के अनुसार किया जाएगा। सीधी नियुक्ति वाले पदाधिकारी, यदि प्रोन्नति प्राप्त पदाधिकारी के योगदान की तिथि को योगदान देते हैं, तो ऐसे सीधे नियुक्त पदाधिकारी प्रोन्नति प्राप्त पदाधिकारियों से कनीय होंगे।
- 11.3 वरीयता सूची को समय-समय पर एवं आवश्यकता अनुसार विभाग द्वारा अद्यतन किया जाएगा।

12. प्रोन्नति की प्रक्रिया :

- 12.1 प्रत्येक कोटि की मूल कोटि, वर्ग-1। से उच्चतर पद सोपान में प्रोन्नति के लिए राज्य सरकार द्वारा कालावधि निर्धारण (कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प सं0-398 दिनांक-16 जनवरी, 2012 तथा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देश/संकल्प के अनुसार) तथा स्वच्छता प्रमाण-पत्र के संबंध में निर्गत निदेशों के आलोक में कार्रवाई की जायेगी।

12.2 वरीयता, योग्यता एवं संतोषप्रद सेवा प्रोन्नति का आधार होगा।

12.3 उच्चतर पदों पर पूर्व से प्रोन्नत कर्मों नियमावली के प्रवृत्त होने की तिथि के प्रभाव से संबंधित कोटि में प्रोन्नत माने जायेंगे।

13. प्रोन्नति :

झारखण्ड कृषि सेवा में प्रोन्नति के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पद सोपान पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा आवश्यक होगी।

अध्याय-5

विविध

14. प्रोन्नति के पद सोपान :

नियम-3 के अन्तर्गत सेवा में प्रोन्नति के पद सोपान निम्नवत होंगे :

क्र०	पद स्तर	पदनाम	पे बैंड	ग्रेड पे
1	2	3	4	5
1	मूल कोटि, वर्ग-II	सहायक निदेशक एवं समकक्ष पद	रू० 9300-34800(पी०बी०-II)	रू० 5400
2	प्रोन्नति का प्रथम स्तर	उप निदेशक एवं समकक्ष पद	रू० 15600-39100(पी०बी०-III)	रू० 6600
3	प्रोन्नति का द्वितीय स्तर	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष	रू० 15600-39100(पी०बी०-III)	रू० 7600
4	प्रोन्नति का तृतीय स्तर	अपर निदेशक	रू० 37400-67000 (पी०बी०-IV)	रू० 8700

15. पदस्थापन / प्रतिनियुक्ति :

- 15.1 इस सेवा के सदस्यों का अन्य विभागों में पदस्थापन / प्रतिनियुक्ति राज्य सरकार उपयोगिता / आवश्यकता के अनुसार कर सकेगी।
- 15.2 इस संवर्ग के पदाधिकारियों का स्थानान्तरण / पदस्थापन अप्रैल माह में विभागीय स्थापना समिति की अनुशंसा पर सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन प्राप्त कर किया जायेगा।

परन्तु प्रशासनिक कारणों से आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन प्राप्त कर स्थानान्तरण / पदस्थापन किया जा सकेगा।

- 15.3 नियमावली के नियम-3 के अधीन उल्लेखनीय विभिन्न कोटियों के संवर्गीय पदों की पूर्ति उसी कोटि के ही संवर्गीय पदाधिकारी से किया जाएगा। सामान्य परिस्थिति में किसी एक कोटि के पदाधिकारियों को दूसरे कोटि में पदस्थापन नहीं किया जाएगा, परन्तु विशेष परिस्थिति में पदाधिकारियों की कमी, कार्य की महता एवं आवश्यकता तथा कार्यहित को ध्यान में रख कर सीमित अवधि के लिए किसी कोटि के पदाधिकारियों का अन्य कोटि में भी पदस्थापन किया जा सकेगा।

16. वेतन :

विभिन्न कोटियों के पदों का वेतनमान / पे बैंड वही होगा, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जायेगा।

17. प्रशिक्षण :

- 17.1 सीधी भर्ती के आधार पर नियुक्त पदाधिकारियों के लिए राज्य सरकार द्वारा यथा निर्धारित प्रशिक्षण संस्थान में आरम्भ के चार माह का आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (Foundation Training Course) आयोजित किया जायेगा।

आधारभूत प्रशिक्षण के पश्चात क्षेत्र में पदस्थापित किए जाएंगे। इस दौरान बारह माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं इसी दौरान पदस्थापन स्थान के कोषागार में चार सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

- 17.2 मूल कोटि के पदों पर प्रोन्नति द्वारा नियुक्त पदाधिकारी के प्रशिक्षण की अवधि दो माह होगी, जिसके उपरान्त आयोजित परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा।
- 17.3 इस सेवा के सदस्यों को प्रशिक्षण के लिए राज्य में या राज्य के बाहर अथवा देश के बाहर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए भेजा जा सकेगा।

18. अन्य सेवा शर्तें :

इस सेवा के लिए अन्य सेवा शर्तें, यथा-अनुशासनिक कार्रवाई, छुट्टी, वेतन, देय सेवा निवृत्ति लाभ इत्यादि, जो इस नियमावली से आच्छादित नहीं हैं या इस सेवा के लिए अलग से अधिसूचित नहीं हैं के संबंध में राज्य सरकार के पदाधिकारियों के लिए उसी प्रकार की सेवा नियमावली में किए गए संबंधित प्रावधानों से नियंत्रित होगी।

19. प्रशासनिक नियंत्रण :

झारखण्ड कृषि सेवा के सभी पदाधिकारियों का संवर्ग नियंत्री पदाधिकारी विभागीय प्रधान सचिव / सचिव होंगे।

20. अनुशासनिक कार्रवाई :

अनुशासनिक कार्रवाई, असैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1930 एवं इसके लिए अन्य सुसंगत प्रावधानों के तहत की जाएगी।

21. निरसन एवं व्यावृत्ति :

- 21.1 इस नियमावली के प्रभावी होने की तिथि से सभी पूर्व निर्गत प्रासंगिक परिपत्र / निर्णय निरसित समझे जायेंगे।
- 21.2 इस नियमावली के प्रभावी होने के पूर्व इस सेवा के संबंध में लिए गये निर्णयों के संबंध में माना जायेगा कि सभी निर्णय इस नियमावली के अधीन लिये गये हैं।
- 21.3 राज्य सरकार प्रशासी विभाग के माध्यम से इस नियमावली के किसी प्रावधान को संशोधित करने की शक्ति रखती है तथा किसी प्रकार की शंका के निवारण हेतु निदेश / परिपत्र निर्गत कर सकती है और उसका विनिश्चय अंतिम होगा।
- 21.4 इस नियमावली के गठन हो जाने पर बिहार कृषि सेवा अधिनियम, 1982 से संबंधित प्रावधान को आवश्यकता के अनुसार निरसन की कार्रवाई की जाएगी।

22. निर्वचन :

इस नियमावली की किसी बिन्दु के व्याख्या की आवश्यकता पड़ने पर उसका निर्णय राज्य सरकार करेगी, जो अंतिम एवं निर्णायक होगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी,

सरकार के सचिव।

अनुसूची-1

झारखण्ड कृषि सेवा के विभिन्न कोटि के पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -

नं०	कोटि	शैक्षणिक योग्यता
1	कोटि-1 शप्य / कोटि-3 कृषि रसायन / कोटि-5 पौधा संरक्षण	कृषि विज्ञान स्नातक
2	कोटि-2 कृषि अभियंत्रण	कृषि अभियंत्रण स्नातक
3	कोटि-7 उद्यान	उद्यान/वानिकी/कृषि विज्ञान में स्नातक
4	कोटि-8 माप-तौल एवं विपणन	विज्ञान (भौतिकी में प्रतिष्ठा)/ कृषि विज्ञान स्नातक/ अभियंत्रण स्नातक
5	कोटि-9 सांख्यिकी	सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र में स्नातक

अधीक्षक, झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,

झारखण्ड गजट (असाधारण) 76—50 ।